*Shodh International: A Multidisciplinary International Journal (In Hindi)*
*Vol. 1, Issue 1- 2016*

# भारत में पर्यटन–आर्थिक संबलन उद्योग के रूप में

डॉ. अजय कृष्ण तिवाड़ी*

भारत की संस्कृति एवं वैभवशाली विरासत एवं दर्शन सदैव ही अतिथि देवो भव तथा वसुधैव कुटुम्बकम की भावना का सम्मान करते रहे हैं। हमारी संस्कृति, संस्कार एवं विरासत सदैव ही अतिथियों का आदर सत्कार के लिए अपनी अनूठी पहचान बनाए हुए हैं।

भारत पर्यटन विकास निगम (आई.टी.डी.सी) भारत पर्यटन विकास निगम अक्टूबर 1966 में अस्तित्व में आया और इसने देश में पर्यटन के उत्तरोत्तर विकास, संवर्धन और विकास में प्रमुख भूमिका निभाई है। व्यापक रूप में इस निगम के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित है –

- होटलों का निर्माण, वर्तमान होटलों का अधिग्रहण और प्रबन्ध तथा होटलों, तट विहारों, ट्रवलरा लॉज/रेस्टोरेंटों का विपणन एवं विकास।
- परिवहन, मनोरंजन, खरीददारी और सम्मेलन सेवाओं को सम्बलन प्रदान करना।
- पर्यटक प्रचार सामग्री की प्रस्तुति एवं वितरण।
- भारत व विदेशों में परामर्शी व प्रबन्ध सेवाएँ प्रदान करना।
- राग्पूर्ण गनी चेंजर्स (F.F.M.C.) प्रतिबंधित मनी चेंजर्स आदि के रूप में व्यवसाय करना।
- पर्यटन विकास और इंजीनियरिंग उद्योग, जिसमें परादर्शी सेवाएँ देना व परियोजना कार्यान्वयन शागिल है की आवश्यकताओं के लिए नवीन विश्वसनीय सेवाएँ देना तथा पैसे का पूरा मूल्य प्रदान करने हेतु गुणवत्तापूर्ण विकास करना।

निगम पर्यटकों के लिए विभिन्न स्थानों पर होटल, रेस्टोरेंट का संचालन कर रहा है और साथ पर्यटन हेतु गुणवतापूर्ण सेवाएँ प्रदान कर रहा है। इसके अतिरिक्त निगम पर्यटक प्रचार साहित्य की प्रस्तुति, वितरण एवं बिक्री में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। साथ ही मनोरंजन व शुल्क मुक्त खरीददारी की सुविधाएँ भी प्रदान कर रहा है। निगम ने सम्पूर्ण मनी चेंजर्स (F.F.M.C.) सेवाओं इंजीनियरिंग सम्बन्धित परामर्शी सेवाओं आदि नए क्षेत्रों/ नवीन सेवाओं में पदार्पण किया है। निगम का अशोक अतिथ्य व पर्यटन प्रबन्ध संस्थान पर्यटन व आतिथ्य क्षेत्र में प्रशिक्षण एवं शिक्षा प्रदान करता है।

इस समय पर्यटन विकास निगम के नेटवर्क में अशोक होटल 08, 06 संयुक्त उद्यम होटल, 2 रेस्टोरेंट, 12 परिवहन एकक, पर्यटक सेवा केन्द्रों, अंतर्राष्ट्रीय एवं घरेलू कस्टम एयरपोर्टो पर स्थित 37 शुल्क मुक्त दुकानों का संचालन इसके अतिरिक्त भारत पर्यटन विकास निगम भरतपुर स्थित होटल, रेस्टोरेन्ट, विज्ञान भवन हैदराबाद हाउस और शास्त्री भवन नई दिल्ली में नेशनल मीडिया प्रेस सेंटर में खानपान सेवाओं का प्रबन्ध भी कर रहा है जो पर्यटन उद्योग के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

*प्रवक्ता एवं पूर्व विभागाध्यक्ष (शिक्षा), बुनियादी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय (सीटीई), गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर, चूरू, 331403. ***Correspondence E-mail Id:*** editor@eurekajournals.com

*© Eureka Journals 2016. All Rights Reserved.* 

पर्यटन मंत्रालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों हेतु यात्रा व्यवसाय सेवा प्रदाताओं को ई–मान्यता प्रदान की यात्रा व्यवसाय से जुड़े ट्रेवल एजेंटो टूर ऑपरेटरों और टूरिस्ट ट्रांस्पोट ऑपरेटरों को ई–मान्यता अनुमोदित करने की एक योजना है जिसके पीछे विचार यह है कि इन श्रेणियो मे गुणवत्ता मानक और सेवाओ को प्रोत्साहित करना है ताकि भारत में पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सके यह एक स्वैच्छिक योजना है जो सभी वास्तविक एजेंसियों के लिए सहायतार्थ खुली है।

- **ट्रेवल एजेंट**– ट्रेवल एजेंट वह है जो वायुयान, रेल, जलयान द्वारा यात्रा के लिए टिकट, पासपोर्ट वीजा आदि की व्यवस्था करता है। वह आवास, टूर, मनोरंजन और पर्यटन संबंधो अन्य सेवाओं को भी व्यवस्था करता है। इनके लिए पर्यटन मंत्रालय द्वारा दिशा निर्देश, प्रशिक्षण और क्षेत्रीय स्तर पर्यटक गाइड के लाइसेंस के लिए दिशा निर्देश 2011 में जारी किए है।
- **इनबाउंड टूर ऑपरेटर**– इनबाउंड टूर ऑपरेटर वह है जो विदेशी पर्यटकों के लिए परिवहन, आवास, साइट सीइंग, मनोरंजन, पर्यटन सम्बन्धित अन्य व्यवस्था करता है।
- **टूरिस्ट ट्रांस्पोट ऑपरेटर**– टूरिस्ट ट्रांस्पोट ऑपरेटर संगठन वह है जो कारों, कोचों, नौकाओं आदि जैसे पर्यटक परिवहन, पर्यटकों को एक जगह से दूसरी जगह भेजने, साइट सींइग और पर्यटक स्थली तक को यात्रा की व्यवस्था करता है।
- **एडवेंचर टूर ऑपरेटर**– एडवेंचर टूर ऑपरेटर वह है जो भारत में एडवेंचर पर्यटन से सम्बन्धित कार्यकलापों जैसे –वाटर स्पोर्टस, एयरो स्पोर्टस, पर्वतारोहन, टैकिंग तथा विभिन्न प्रकार की सवारियों आदि में संलग्न होता है। इसके अलावा वह परिवहन आवास आदि की भी व्यवस्था करता है।
- **घरेलू टूर ऑपरेटर**– घरेलू टूर ऑपरेटर वह है। जो घरेलू पर्यटकों के लिए परिवहन आवास, साइट सींइग मनोरंजन और पर्यटन संबंधी अन्य सेवाओं की व्यवस्था कर रहा है।

इसके अतिरिक्त लाखों लोगों को पर्यटन उद्योग से जीवनयापन का साधन प्राप्त होता है जैसे पर्यटन गाइड इसके लिए भी पर्यटन मंत्रालय लाइसेंस व दिशा निर्देश प्रदान करता है इसके साथ ही यात्रियों की सुरक्षा–व्यवस्था हेतु पुलिस, CRPF व रक्षक दलों की व्यवस्था रहती है।

पर्यटन मत्रालय द्वारा पर्यटन से सबधित विशयो पर मूल रूप से हिंदी मे लिखी पुस्तकों को पुरस्कृत करने के लिए राहुल सास्कृत्यायन पर्यटन पुरस्कार योजना वर्ष 2015–16 से प्रारम्भ की गई है।

भारतीय पर्यटन उद्योग मे उल्लेखनीय प्रगति की है जिसकी विश्व यात्रा और पर्यटन परिषद के अनुसार प्रशंसा की गई है। 2009 से 2018 से मध्य 10 वर्षों मे भारत पर्यटन का आकर्षण केन्द्र बन जायेगा। वर्ष 2002 में शुरु किया गया 'अतुल्य भारत' अभियान देश को एक पर्यटन स्थली बनाने में मददगार साबित हुआ है। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विश्व के अनेकों देशों के भ्रमण से भी विदेशियों में भारत के पर्यटन हेतु आकर्षण में अतुल्य विकास हुआ है। किन्तु पाकिस्तान, द्वारा प्रायोजित आतंकवाद से पर्यटन उद्योग घायल हो सिसक रहा है। जम्मू कश्मीर जो धरती का स्वर्ग है आज अलगाववादियों और पत्थरबाजों का एक रणक्षेत्र बन कर रहा गया है। पं. बंगाल मुख्यमत्री ममता बनर्जी द्वारा सरक्षण प्राप्त बर्बर आतंक और जिहाद भी पर्यटकों को डरा रहा है। अतः आवश्यकता इस बात की

*© Eureka Journals 2016. All Rights Reserved.* 

है कि आतंकवाद को पूर्णतः समाप्त किया जाए। स्वर्ग की तरह सुन्दर प्राकृतिक जम्मू कश्मीर में राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय पर्यटक पूर्ण उत्साह से आ सके और भारतीय परम्परा अतिथि देवों भवः तथा वसुधैव कुटुम्बकम से देशी एवं विदेशी पर्यटक शान से कह सकें–"सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा हमारा।

## संदर्भ ग्रंथ सूची

[1]. आचार्य बलदेव उपाध्याय, भारतीय दर्शन, शारदा मंदिर, वाराणसी, 1941 ई।
[2]. आर. ए. अग्रवाल, कला विलास, भारतीय चित्रकला का विकास, इण्टरनेशनल पब्लिशिंग हाऊस, मेरठ, 1979 ई।
[3]. आशीर्वादी लाल श्रीवास्तव, दिल्ली सल्तनत, आगरा, 1955 ई।
[4]. कालूराम शर्मा, उन्नीसवीं सदी के राजस्थान का सामाजिक व आर्थिक जीवन, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 1974 ई।
[5]. किशोरीदास आचार्य परम्परा का इतिहास, सलेमाबाद पीठ, 1972 ई।
[6]. किशोरीलाल गुप्त, नागरीदास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, भोला प्रिंटिंग प्रेस, वाराणसी, 1964 ई।

© Eureka Journals 2016. All Rights Reserved. 